न्यूज डायरी

अमेरिकी रेड लिस्ट से चीन–पाक को लगी मिर्ची

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। इन दिनों अमेरिका की रेड लिस्ट काफी सुर्खियों में है। यह कहा जा रहा है कि अमेरिका ने धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन करने वाले देशों के बहाने अपने रणनीतिक और सामरिक संबंधों को एक नई दिशा दी है। इसके पीछे एक बड़ी वजह यह है कि पाकिस्तान और चीन का नाम इस सूची में शामिल है और भारत इस सूची से बाहर है। अमेरिकी रेड लिस्ट ने यह साबित कर दिया है कि बाइडन प्रशासन भारत के साथ अपने रिश्ध्तों को कितना अहमियत देता है। बाइडन प्रशासन की नजर में भारत कितना अहम है। इसका अनुमान इससे लगाया जा सकता है कि अमेरिका में धार्मिक आजादी का आकलन करने वाले अमेरिकी पैनल के सुझाव के बाद भी बाइडन प्रशासन ने धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन करने वालों देशों की सूची से भारत को अलग रखा है।

बलात्कारियों को नपुंसक बनाने के कानून पर इमरान सरकार का यू–टर्न

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान सरकार ने पीछे हटते हुए आदतन बलात्कारियों को रासायनिक तरीकों से नपुंसक बनाए जाने के विवादास्पद प्रावधान को नए कानून से हटा दिया है। पाकिस्तान की काउंसिल ऑफ इस्लामिक आइडियोलॉजी (सीआईआई) ने ऐसी सजा पर आपत्ति जताते हुए इसे गैर–इस्लामिक करार दिया था। जिसके बाद कट्टरपंथियों के दबाव में इमरान सरकार ने अवाम की कड़े कानून बनाने की मांग को खारिज कर दिया। इससे पहले संसद ने नए कानून को मंजूरी दी थी जिसका मकसद दोषसिद्धि में तेजी लाना और अपराधियों को सख्त सजा देना था। बुधवार को संसद के संयुक्त सत्र में आपराधिक कानून (संशोधन) विधेयक 2021 विधेयक को 33 अन्य विधेयकों के साथ पारित कर दिया गया था। तब कहा गया था कि पाकिस्तान सरकार बलात्कारियों के खिलाफ कड़े ऐक्शन लेने और कठोर से कठोर सजा दिलवाने के लिए हमेशा तैयार है।

श्रीलंका में मिला कोरोना वायरस के डेल्टा वैरियंट का नया स्ट्रेन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कोलंबो। श्रीलंका में कोविड–19 के डेल्टा वैरियंट के नए स्ट्रेन का पता चला है। वैज्ञानिकों ने इस स्ट्रेन को बी.1.617.2.एवाई 104 नाम दिया है। यह श्रीलंका में मिला कोरोना वायरस का तीसरा म्यूटेट फॉर्म है। कोरोना का डेल्टा वैरियंट (बी.1.617.2) अत्यंत ही संक्रामक है। इसी वैरियंट के कारण भारत में अप्रैल–मई महीने में कोरोना ने भयानक तबाही मचाई थी। अब श्रीलंका में इसके नए वैरियंट के मिलने से भारत की चिंता एक बार फिर बढ़ गई है। दुनियाभर में संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ने के पीछे डेल्टा वैरियंट ही मुख्य कारण है। यहां तक कि बड़ी संख्या में टीका लगवा चुकी आबादी पर भी इसके प्रभाव दिखाई दिये हैं। हालांकि, इसके सब–टाइप 'एवाई 104' की संक्रमण क्षमता का अभी पता नहीं चला है।

पाकिस्तान ने टिकटाक से फिर हटाया प्रतिबंध, चौथी बार बदला अपना फैसला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान के टेलीकाम रेगुलेटर ने लोकप्रिय चीनी वीडियो–शेयरिंग प्लेटफार्म टिकटाक पर से प्रतिबंध हटा लिया है। पाकिस्तान ने ये फैसला टिकटाक के आश्वासन के बाद लिया है, जिसमें कहा गया है कि वह अश्लील सामग्री के प्रसारित होने पर नियंत्रण लगाएगी। इससे पहले पाकिस्तान दूरसंचार प्राधिकरण (पीटीए) ने जुलाई में ये कहते हुए टिकटाक पर प्रतिबंध लगा दिया था कि वह अनैतिक सामग्री को अपलोड और प्रसारित कर रहा है। टेलीकाम रेगुलेटर ने कहा कि पीटीए ने अनैतिकध्अश्लील सामग्री को नियंत्रित करने के प्लेटफार्म के आश्वासन के बाद टिकटाक की सेवाओं को बहाल कर दिया है। पीटीए के बयान के अनुसार, प्राधिकरण ने आखिरी बार 20 जुलाई को आवेदन तक पहुंच को रोक दिया था और तब से वह इस मुद्दे पर टिकटॉक प्रबंधन के साथ संवाद कर रहा था।

यूएई में चीन के निर्माण कार्य से टेंशन में अमेरिका

कहा– सैन्य अड्डा बना रहा ड्रैगन, तुरंत रोकें काम

खुलासा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

अबू धाबी। चीन संयुक्त अरब अमीरात में सैन्य अड्डा बना रहा है जिसे लेकर अमेरिका की चिंता बढ़ी हुई हैं। अमेरिका का बाइडन प्रशासन यूएई पर अबू धाबी के पास चीनी बंदरगाह परियोजना पर निर्माण कार्य को रोकने के लिए दबाव बना रहा है। माना जा रहा है कि इसके पीछे चीन के सैन्य उद्देश्य छिपे हो सकते हैं। वॉल स्ट्रीट जर्नल की एक रिपोर्ट ने शुक्रवार को इसका खुलासा किया है। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका खुफिया एजेंसियों ने खलीफा पोर्ट पर एक बड़ी बिल्डिंग के निर्माण के लिए एक विशालकाय गड्ढे के खोदे जाने का पता लगाया है।

यह जगह अबू धाबी के उत्तर में 80 किमी की दूरी पर स्थित है जहां चीन के COSCO शिपिंग समूह ने एक बड़ा कमर्शियल कंटेनर टर्मिनल बनाया है जिसका संचालन शुरू हो चुका है। कहा जा रहा है कि इस साल की शुरुआत में जांच से बचने

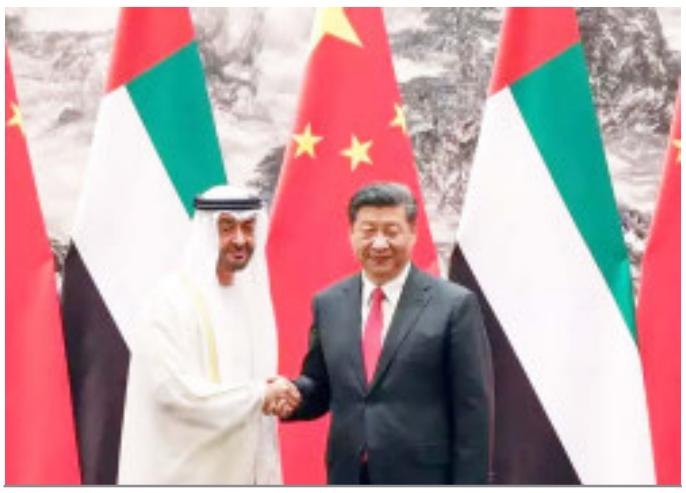

के लिए इस साइट को कवर किया गया था। अज्ञात सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका को डर है कि चीन व्यापार सौदों और वैक्सीन कूटनीति के माध्यम से वैश्विक प्रभाव हासिल करने के अपने उद्देश्यों के तहत तेल संपन्न देश में एक सैन्य उपस्थिति स्थापित करने की कोशिश कर रहा है। इस रिपोर्ट के सामने आने के बाद अमेरिका में अधिकारियों की बैठकों और यात्राओं का एक दौर शुरू हो गया है। साथ ही वाइट हाउस ने चेतावनी दी है कि चीन की सैन्य उपस्थिति दो पुराने सहयोगियों के बीच संबंधों को खतरे में डाल सकती है। सूत्रों का कहना है कि यूएई सरकार चीन की गतिविधि की सैन्य प्रकृति से अनजान है। वाशिंगटन में संयुक्त अरब अमीरात दूतावास के एक प्रवक्ता ने अखबार को बताया कि चीनी सैन्य अड्डे या किसी तरह की चौकी की मेजबानी करने के लिए यूएई ने न ही कोई समझौता, योजना या वार्ता की है और न ही उसका ऐसा कोई इरादा है।

खाड़ी देशों में पहुंच बना रहा चीन

अमेरिका में चीन के दूतावास ने इस बारे में कोई जवाब नहीं दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने मई और अगस्त में अबू धाबी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन जायद के साथ बातचीत के दौरान देश में चीन की बढ़ती उपस्थिति के बारे में चिंता व्यक्त की थी। बाइडन ने एमबीजेड को बताया था कि चीन की गतिविधि उनकी संबंधों को नुकसान पहुंचा सकती है। चीन खाड़ी देशों के बीच अपनी पहुंच को मजबूत करने में जुटा है। चीन मिस्र और सऊदी अरब में इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाने और ईरान के संबंधों को मजबूत करने के साथ–साथ क्षेत्र के लगभग हर देश के लिए एक भागीदार की भूमिका निभा रहा है।

पिछले एक महीने से कर रहे आतंकी घटनाओं का सामना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। ब्रिटेन ने स्वीकार किया है कि पिछले एक महीने में दो हिंसक घटनाओं के बाद से उसे गंभीर आतंकी खतरे का सामना करना पड़ रहा है। कनाडा स्थित एक थिंक टैंक ने इसकी जानकारी दी। इंटरनेशनल फोरम फॉर राइट्स एंड सिक्योरिटी ने आतंकवाद–रोधी विशेषज्ञों का हवाला देते हुए बताया कि भविष्य में ब्रिटेन में और आतंकी खतरों की आशंका है। हालांकि, यहां पर हुए हमलों की जिम्मेदारी किसी भी इस्लामी समूह नहीं ले रहा है। ब्रिटिश सुरक्षा मंत्री डेमियन हिंड्स को संदेह था कि यह घटना ऑनलाइन कट्टरता का परिणाम हो सकती है। हाल ही में हुआ आतंकी हमला यूरोप को धमकी देने वाला हो सकता है। बता दें कि 15 नवंबर को लिवरपूल में स्थित एक अस्पताल के पास एक आत्मघाती हमलावर ने विस्फोटक उपकरण से खुद को उड़ा लिया था।

उधर, एक ब्रिटिश घरेलू काउंटर–इंटेलिजेंस एजेंसी MI5के अनुसार, देश के लिए इस्लामी आतंकवादी खतरा वास्तविक है। बयान में कहा गया है कि अल कायदा और इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड द लेवेंट सहित सीरिया और इराक में आतंकवादी समूहों के पास पश्चिम के खिलाफ सीधे हमले करने की मंशा और क्षमता दोनों हैं।

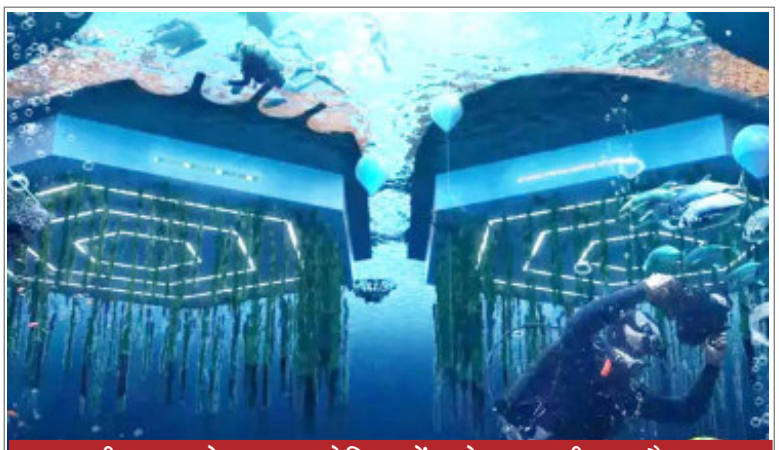

यूएन की मदद से साउथ कोरिया में बनेगा श्पानी पर तैरता शहर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) सियोल। करीब दो साल पहले कुछ बिल्डर्स, इंजीनियर और आर्किटेक्ट्स के एक समूह की संयुक्त राष्ट्र में बैठक हुई थी, जिसमें एक महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा हुई। यह प्रोजेक्ट एक ऐसे शहर के निर्माण को लेकर था जो पानी पर तैरता हो और बाढ़, सुनामी और तूफान जैसी प्राकृतिक आपदाओं से पूरी तरह सुरक्षित हो। हालांकि तैरते हुए शहर का विचार नया नहीं है बल्कि कई सालों से लोग पानी पर तैरते कृत्रिम द्वीप या शहर बसाने का सपना देख रहे हैं। यहां तक कि होमर जैसे कुछ प्राचीन लेखकों ने 13 शताब्दी में ही एक पैराणिक तैरते हुए शहर की कल्पना कर ली थी।

पहली महिला राष्ट्रपति बनीं कमला हैरिस 1 घंटा 25 मिनट के लिए संभाला देश

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वॉशिंगटन। अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस शुक्रवार को करीब 1 घंटा 25 मिनट के लिए अमेरिका की राष्ट्रपति बनी रहीं। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन नियमित 'कोलोनस्कॉपी' जांच कराने के लिए वाल्टर रीड नेशनल मिलिट्री मेडिकल सेंटर गए और कुछ समय के लिए उन्होंने सत्ता उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को सौंप दी। बाइडन राष्ट्रपति के तौर पर पहली नियमित जांच के लिए तड़के वाशिंगटन के उपनगरीय क्षेत्र स्थित मेडिकल सेंटर गए थे।

वाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी ने बताया कि

कमला हैरिस को किनारे करने की तैयारी

'कोलोनस्कॉपी' के दौरान बाइडन 'एनिसथीसिया' के प्रभाव में रहेंगे, इसलिए उन्होंने अल्पकाल के लिए हैरिस को सत्ता सौंपी। यह पहली बार था जब हैरिस सवा घंटे के लिए राष्ट्रपति के पद पर रहीं। साकी ने कहा कि बाइडन ने स्थानीय समयानुसार 11 बजकर 35 मिनट पर हैरिस और वाइट हाउस के चीफ ऑफ स्टाफ रोन क्लैन से बातचीत के बाद अपना दायित्व संभाल लिया।

बाइडन पूरी तरह स्वस्थः बाइडन (78) ने दिसंबर 2019 में अपने शरीर की पूरी जांच कराई थी और तब चिकित्सकों ने पूर्व उपराष्ट्रपति को श्स्वस्थश और राष्ट्रपति का कर्तव्य सफलतापूर्वक निभाने के लिए उपयुक्त पाया था। साल 2009 से ही बाइडन के चिकित्सक डॉ. केविन ओ कोनोर ने तब तीन पन्नों के नोट में लिखा था कि राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बाइडन पूरी तरह स्वस्थ हैं।

अमेरिकी मीडिया में आ रही खबरों के मुताबिक, राष्ट्रपति बाइडेन ने रणनीति के तहत अपने अधिनस्थ हैरिस को वैसे टास्क दिए जो काफी संवेदनशील थे और जिनसे निपटना तलवार की धार पर चलने जैसा था। अब खबरें आने लगी हैं कि हैरिस को वाइट हाउस के बाहर का रास्ता दिखाने की तैयारी हो रही है।

अमेरिकी सांसदों ने पुतिन को लेकर पेश किया विवादित प्रस्ताव

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। दो अमेरिकी सांसदों ने कांग्रेस में विवादित प्रस्ताव पेश किया है। सांसदों ने अपने प्रस्ताव में कहा है कि यदि 2024 के बाद व्लादिमीर पुतिन रूस के राष्ट्रपति बनते हैं तो अमेरिका रूस की मान्यता खत्म कर देगा। बता दें कि राष्ट्रपति के रूप में पुतिन का कार्यकाल 2024 में समाप्त होने वाला है और वह अपने राष्ट्रपति पद के दौरान किए गए संवैधानिक संशोधनों के तहत दो और कार्यकाल तक रूसी सरकार के प्रमुख बने रह सकते हैं। क्रेमलिन ने अमेरिकी सांसदों द्वारा लाए गए प्रस्ताव को बेतुका बताया और इसे रूसी मामलों में अमेरिकी हस्तक्षेप के रूप में वर्णित किया। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा संयुक्त राज्य अमेरिका आधिकारिक तौर पर अन्य देशों के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करता है। पेसकोव ने कहा कि यह रूसियों पर निर्भर है कि वे अपना राष्ट्रपति किसे चुनते है। वहीं, रूस के ऊपरी सदन की अंतरराष्ट्रीय मामलों की समिति के उप प्रमुख व्लादिमीर दझाबरोव ने चेतावनी दी कि यदि अमेरिकी कांग्रेस में यह प्रस्ताव पारित होता है तो उस स्थिति में अमेरिका और रूस के संबंध खत्म हो जाएंगे।